ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

कर्ण का मित्र प्रेम

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : कर्ण का मित्र प्रेम
PPT-6

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) ' धूलों में था पड़ा हुआ ' का क्या तात्पर्य है?

उत्तर = इस पंक्ति का तात्पर्य है कि मैं मिट्टी में पड़ा हुआ था, मेरा कोई अस्तित्व नहीं था।

(ख) रोम- रोम ऋणी होने का क्या अभिप्राय है?

उत्तर = रोम-रोम ऋणी होने से तात्पर्य है - शरीर का एक - एक रोम कर्ज़दार होना। अर्थात दुर्योधन का कर्ण के ऊपर इतना अहसान है कि उसके शरीर का एक -एक रोम उसके उपकार का कर्ज़दार है।

(ग) कर्ण ने किसे तरु समान कहा है और क्यों?

उत्तर = कर्ण ने दुर्योधन को तरु के समान कहा है ,क्योंकि दुर्योधन ने कर्ण पर अनगिनत उपकार उसी प्रकार किए हैं, जिस प्रकार एक वृक्ष सभी जीवों पर करता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए -

(क) कर्ण अपने मित्र दुर्योधन की हर बात क्यों मानता है? क्या हर बात मानना ठीक है?

उत्तर = कर्ण अपने मित्र दुर्योधन की हर बात मानता है क्योंकि वह अपने प्रति किए गए उपकार को नहीं भूलता। अपनी माँ द्वारा त्यागे जाने पर दुर्योधन ने ही उसकी देखरेख की तथा पालन - पोषण किया इसीलिए वह दुर्योधन की बातों को मानने से कभी भी इनकार नहीं करता था।

किसी की सभी बातों को मानना या न मानना इस पर निर्भर करता है कि उसका भलाई व परोपकार करने वाले से कैसा संबंध है। हमें उन बातों को मानना चाहिए जिससे किसी की भलाई हो परंतु ऐसी बातों को मानने से इनकार कर देना चाहिए जिससे अनर्थ हो। एक बात अवश्य ध्यान रखनी चाहिए कि यदि कोई उपकार के बदले गलत कार्य करवाना चाहे तो ऐसा करने से मना कर देना चाहिए।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(ख) मित्रता की तुलना किसी से भी नहीं हो सकती। इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर = मित्रता की तुलना किसी से नहीं की जा सकती क्योंकि एक सच्चा मित्र हमेशा बिना किसी स्वार्थ के सहयोग करता है। वह सुख में ही नहीं बल्कि दुःख के समय भी हमारे साथ रहता है तथा हमारी भावनाओं को समझने की कोशिश करता है। कुछ लोग धन को मित्रता से अधिक महत्व देते हैं जबकि ऐसा करना गलत है। इस तरह हम कह सकते हैं कि सच्चे मित्र की तुलना किसी से भी करना संभव नहीं है।

(ग) दुर्योधन के लिए कर्ण ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। यह कहाँ तक उचित था ? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर = दुर्योधन के लिए कर्ण ने अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया , उसकी सार्थकता दो प्रकार से समझी जा सकती है –

1. कर्ण ने अपने प्रति किए गए उपकार के कारण ऐसा किया।
2. दुर्योधन ने कर्ण को अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए प्रेरित किया।इन दोनों स्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कर्ण ने मित्र - धर्म पूरा किया परंतु दुर्योधन ने कर्ण का गलत उपयोग किया।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow